हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 15 जुलाई 2024

तापमान
अधिकतम 37.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

11 भगवान शिव का परिवार हम सभी के लिए एक सुंदर प्रेरणाः सरोज

12 नप ने पहले दिन संडे बाजार पर लगाई लगाम, सप्ताह के बाकी दिनों में अतिक्रमण पर क्यों नहीं कार्रवाई

खबर संक्षेप

खेत में चारा लेने गई महिला हुई लापता

बावल। क्षेत्र के एक गांव में घर से चारा लेने के लिए गई एक महिला वापस घर नहीं आई। पुलिस शिकायत में महिला के पति ने बताया कि उसकी 22 वर्षीय पत्नी 12 जुलाई को घर से खेत में चारा लेने के लिए गई थी। काफी देर तक वापस नहीं आने के बाद उसने अपनी पत्नी की तलाश शुरू की। काफी तलाश करने के बाद भी उसकी पत्नी का कोई पता नहीं चल सका। आरोप लगाया कि गांव का ही युवक राकेश उसकी पत्नी को भागकर ले गया है।

संघी का बास मोहल्ले से बाइक चोरी

रेवाड़ी। संघी का बास मोहल्ले में चोर दिन-दहाड़े बाइक चोरी कर ले गए। मोहल्ला निवासी ललित प्रसाद ने बताया कि वह बाइक लेकर किसी काम से बाह गया था। इसके बाद वापस आकर उसने घर के बाइक खड़ी कर दी। वह घर के अंदर चला गया। करीब एक घंटे बाद जब वह घर से बाहर तो उसे बाइक नहीं मिली। आसपास काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। सिटी पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद बाइक की तलाश शुरू कर दी।

पति के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज

धारूहेड़ा। भटसाना में शराब के पैसे नहीं देन पर पत्नी के साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने पति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में सुमन ने बताया कि वह किसी काम से घर से बाहर जा रही थी। जाते समय उसके पति ने उसे रोक लिया। वह उससे शराब के पैसे की मांग करने लगा। मना करने पर उसके पति ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। उसने मारपीट की सूचना अपनी मां को दी। मां ने आकर उसे अस्पताल में दाखिल कराया। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी।

कंपनी गेट के सामने खड़ी बाइक चोरी

कसोला। संगवाड़ी में चोर एक कंपनी के गेट के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में कंपनी में काम करने वाले सिरोही बहाली निवासी देवेंद्र ने बताया कि वह घर से बाइक लेकर कंपनी में ड्यूटी पर आया था। बाइक बाहर खड़ी करने के बाद वह कंपनी में ड्यूटी पर चला गया। शाम को 4 बजे जब वह कंपनी से बाहर आया तो उसे बाइक गायब मिली। आसपास काफी पूछताछ करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

मारपीट करने के दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। डीजे संचालक के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। 11 जुलाई को जोनावास निवासी दिनेश ने पुलिस शिकायत में बताया था कि वह निखरी में डीजे की बुकिंग लेकर गया था। रात को एक बजे तक डीजे बजाने के बावजूद कुछ लोग ज्यादा देर तक डीजे चालू करने की जिद करने लगे। वह डीजे बंद करने के बाद घर लौट रहा था। रास्ते में तीन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। इस मामले में पुलिस ने निखरी निवासी हुक्म और अंकित को गिरफ्तार कर लिया।

कंपनी के बाहर खड़ी बाइक उड़ाई

कसोला। औद्योगिक एरिया में चोर एक कंपनी के बाहर खड़ी बाइक चंद मिनट में चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में राजस्थान के काहरानी निवासी सुजीत कुमार ने बताया कि वह एक कंपनी में काम करता है। कंपनी के काम से बिल लेकर वह सेक्टर-3 में एक कंपनी में आया था। कंपनी के बाहर बाइक खड़ी करने के बाद वह बिल देने के लिए अंदर चला गया। वापस आने पर उसे बाइक वहां नहीं मिली।

एलएंडटी कंपनी समय से पहले बिल्डिंग तैयार करने के प्रयास में

इसी साल शुरू हो सकती है एम्स की ओपीडी अक्टूबर माह तक बिल्डिंग हो जाएगी तैयार

■ शेल्टर होम और आयुष बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर का कार्य पूरा

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

माजरा में तेरह सौ करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले अखिल भारतीय आयुविज्ञान संस्थान में ओपीडी की शुरूआत इसी साल शुरू होने की संभावना बन गई हैं। एम्स की आयुष और शेल्टर होम बिल्डिंग अक्टूबर माह में बनकर तैयार होने की उम्मीद है। बिल्डिंग बनने के बाद ओपीडी शुरू कराने का रास्ता साफ हो जाएगा। बिल्डिंग निर्माण करने वाली कंपनी एलएंडटी निर्धारित समय सीमा से पहले बिल्डिंग बनाकर सरकार को हैंडओवर कर देगी।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने इस साल 16 फरवरी को एम्स का शिलान्यास करते हुए घोषणा की थी कि उनकी सरकार ही एम्स का उद्घाटन भी कराएगी। शिलान्यास होने के साथ ही केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने बिल्डिंग निर्माण का ठेका एलएंटी कंपनी को दिया था। ठेके की शर्त के अनुसार कंपनी को आयुष विभाग और शेल्टर होम की बिल्डिंग 22 माह में तैयार करके सरकार को हैंडओवर करनी है, परंतु कंपनी ने ठेका लेने के बाद से ही निर्माण कार्य तीव्र गति से शुरू किया हुआ है। अभी तक दोनों बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर का कार्य पूरा हो चुका है। अब पहली मंजिल का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। सूत्रों के अनुसार एम्स की ओपीडी और एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू करने की मांग को देखते हुए प्रदेश सरकार भी बिल्डिंग निर्माण का कार्य जल्द पूरा होने का इंतजार कर रही है। अगर बिल्डिंग जल्द तैयार होती है, तो विधानसभा चुनावों तक ओपीडी और कक्षाएं शुरू कराई जा सकती हैं। इसका फायदा भाजपा को विधानसभा चुनावों में मिल सकता है। सरकार की ओर से मिले निर्देश के बाद कंपनी की ओर से कार्य में तेजी लाई गई है, ताकि जल्द से जल्द बिल्डिंग बनकर तैयार हो सके।

रेवाड़ी। माजरा एम्स की निर्माणाधीन बिल्डिंग। फोटो :हरिभूमि

एम्स संघर्ष समिति बना रही दबाव

एम्स संघर्ष समिति सरकार पर लगातार एम्स की ओपीडी और कक्षाएं शुरू कराने का दबाव बना रही है। इसके लिए एक बार फिर से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी भी दी जा चुकी है।

कई राज्यों में निर्माणाधीन एम्स की ओपीडी और कक्षाएं शुरू होने का हवाला दिया जा रहा है। ऐसे में सरकार भी जल्द से जल्द ओपीडी और कक्षाएं शुरू कराने का प्रयास कर रही है। अगर ओपीडी जल्द शुरू होती है, तो इससे क्षेत्र के साथ-साथ राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को भी घर के पास ही उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

कैबिनेट मंत्री ने कराई थी घोषणा

बावल हलके के विधायक व कैबिनेट मंत्री डा. बनवारीलाल ने ही तत्कालीन सीएम मनोहरलाल से वर्ष 2015 में बावल में आयोजित रैली में एम्स की घोषणा कराई थी। एम्स का शिलान्यास होने तक कई बार इसके दक्षिणी हरियाणा में बनने की संभावनाओं पर टर्निंग प्वाइंट आते रहे, परंतु आखिरकार यह योजना सिरे चढ़ गई। एम्स नर्मिाण समिति ने एम्स के लिए 210 एकड़ जमीन सरकार को मुहैया कराने में पूरा जोर लगा दिया था। जमीन सरकार के नाम कराने पर ही कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी।

निर्माण समिति रख रही निगरानी

एम्स की बिल्डिंग का निर्माणकार्य काफी तेज गति से चल रहा है। एम्स समिति के पदाधिकारी लगातार निर्माण करने वाली कंपनी के इंजीनियरों से संपर्क बनाए हुए हैं। मौके पर जाकर नियमित अंतराल के बाद जायजा लिया जा रहा है।
-जगदीश यादव, प्रधान, एम्स निर्माण समिति।

जल्द शुरू हो जाएगी ओपीडी

बिल्डिंग निर्माण का कार्य अक्टूबर माह में पूरा होने की संभावना है। एम्स की ओपीडी शुरू कराने के लिए उच्च स्तर पर लगातार बातचीत चल रही है। एम्स की ओपीडी जल्द शुरू होने की संभावना है।
-डा. बनवारीलाल, कैबिनेट मंत्री।

डा. बनवारीलाल कर रहे मॉनिटरिंग

कैबिनेट मंत्री डा. बनवारीलाल एम्स की बिल्डिंग का निर्माण होते ही जल्द से जल्द ओपीडी शुरू कराने के प्रयास कर रहे हैं। एम्स की जमीन की रजिस्ट्रियों से लेकर प्रदेश सरकार से जुड़ी आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा कराने में भी उन्होंने जमकर पसीना बहाया था। डा. बनवारीलाल लगातार बिल्डिंग निर्माणाकार्य की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। बार-बार मौके पर जाकर वह एलएंडटी कंपनी के अधिकारियों से बिल्डिंग निर्माण को लेकर फीडबैक ले रहे हैं। साथ ही आयुष बिल्डिंग और शेल्टर होम का निर्माणकार्य जल्द पूरा कराने के निर्देश दे रहे हैं।

रेवाड़ी। होटल पर लूट का आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो :हरिभूमि

पिस्तौल के बल पर लूट का आरोपी गिरफ्तार

बावल। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर एक ढाबे पर सामान खरीदने के बाद पैसे मांगने पर पिस्तौल दिखाकर धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है। साबन चौक स्थित बाबा भारती होटल पर काम करने वाले यूपी के गांव विजोली निवासी अनमोल शर्मा ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि 13 जुलाई की रात वह होटल के कैश काउंटर पर बैठा हुआ था। रात को सवा 12 बजे हरचंदपुर निवासी मनोज शर्मा उसके पास आया। जेब से पिस्तौल निकालकर उसने धमकाते हुआ कहा कि उसके पास हथियार है। वह उसके साथ कुछ भी कर सकता है। इसी दौरान अनमोल की मोसी का लड़का विपिन भी वहां आ गया। मनोज ने उसे भी धमकाते हुए कोल्ड, ड्रिंक, नमकीन व पानी की बोतल आदि सामान लिया तथा बिना पैसा दिए ही वहां से चला गया। उसने घटना की सूचना होटल मालिक जगन सिंह को दी। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी पुलिस को सौंपी। पुलिस ने लूट व ऑर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

महिला व परिजनों के साथ मारपीट, आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज

बव्वा। गांव की एक महिला और उसके सास-ससुर के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में कोसली पुलिस ने 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस बयान में सोनम ने बताया कि उसकी शादी पंकज कुमार के साथ हुई थी। उसके एक 10 माह का बेटा है। उसके पति की मौत हो जाने के बाद माता-पिता ने उसकी सहमति से उसे मंजीत के साथ बैठा दिया था। उसके ससुर अशोक ने उसके बेटे दक्ष के नाम जमीन, प्लॉट व मकान करा दिया था। उसने आरोप लगाया कि इसी बात को लेकर उसकी सास, ननद और रश्तिेदार आए दिन उसके साथ झगड़ा करते हैं। उसने आरोप लगाया कि नीलम, सुमत्रिा, पूजा, कुसुम, आनंद, होशियार व महाबीर ने उसके व उसके दूसरे सास-ससुर के साथ घर में घुसकर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

दिनेश हत्याकांड में पुलिस के खिलाफ मोर्चा

आज एसपी से मिलेंगे ग्रामीण, दो दिन में गिरफ्तारी की मांग

■ पुलिस पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप, एक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अन्य गिरफ्त से बाहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/बावल

गत 5 जुलाई की रात रानोली निवासी दिनेश की गोली मारकर हत्या करने के मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अन्य आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने के विरोध में रविवार को तीना गांवों की पंचायत हुई। पंचायत में ग्रामीणों ने पुलिस पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह 15 अप्रैल को एसपी गौरव राजपुरोहित से मिलकर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करेंगे। अगर जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई, तो महापंचायत बुलाकर आंदोलन की रास्ता अपनाएंगे।

रेवाड़ी। तीन गांवों की पंचायत में मौजूद ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

लगभग 27 वर्षीय दिनेश की बर्थ-डे के दिन सशस्त्र युवकों ने जलियावास रोड पर उस समय गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह अपने दोस्त के साथ बैठा हुआ था। वारदात से कुछ समय पहले उसका मोमोज की रेहड़ी पर दो-तीन युवकों के साथ झगड़ा हुआ था। गोली मारने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए थे। थाना कसोला पुलिस ने मृतक के दिनेश के पिता शीशराम के बयान पर हत्या व आर्म्स एक्ट के तहत जलालपुर निवासी एसपी उर्फ शिव, पातुहेड़ा निवासी सुन्नी, आसलवास निवासी अमित, चिराहड़ा निवासी सचिन व देवेंद्र के खिलाफ केस दर्ज किया था। बाद में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। मामले के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने रविवार को तीन गांवों की पंचायत बुलाई थी। पंचायत में लीलूराम, अतरसिंह नेहरा, रणसिंह, मामचंद नंबरदार, रूपचंद, नारायण, महेंद्र, अजीत व कई अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

पुलिस पर लगाए जमकर आरोप

रविवार को रानोली, प्राणपुरा व किशनपुर गांवों की पंचायत हुई। पंचायत में रानोली के सरपंच नरेश कुमार ने कहा कि दिनेश की हत्या के बाद पुलिस ने महज एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस शायद राजनीतिक दबाव में काम कर रही है, जिस कारण अन्य आरोपी खुले घूम रहे हैं। हरिपाल व महेश सहित अन्य ग्रामीणों ने पंचायत में निर्णय लिया कि ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को एसपी से मिलकर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करेगा। दो दिन में गिरफ्तारी नहीं होने पर पहले 17 गांवों की पंचायत बुलाकर हाइवे जाम करने या किसी और रणनीति पर निर्णय लिया जाएगा।

पेपर बैग बनाकर प्लास्टिक मुक्त भारत का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली रोड स्थित आरपीएस विद्यालय के प्रांगण में पेपर बैग बनाओ गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से यूकेजी तथा कक्षा चौथी व पांचवी के छात्रों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने पुराने अखबारों का प्रयोग करते हुए आकर्षक बैग बनाए। पेपर बैग बनाने का उद्देश्य बायोडिग्रेडेबल और रिसायकल होने वाले पेपर बैग के उपयोग को बढ़ावा देकर प्लास्टिक कचरे को कम करना व प्राकृतिक संसाधनों एवं वन्यजीवों का संरक्षण करना था।

रेवाड़ी। स्कूल में पेपर बैग दिखाते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

विद्यालय प्रधानाचार्य, डीन ऑफ अकेडमिक एवं प्राइमरी अध्यक्ष ने बच्चों की सराहना करते हुए सभी को इसी तरह रचनात्मक गतिविधियों में हस्सिा लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

जमीनी विवाद में बाप-बेटों के साथ मारपीट, पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज

बावल। धारण में जमीनी विवाद को लेकर बाप-बेटों के साथ मारपीट करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस बयान में राजेश कुमार ने बताया कि उसने वर्ष 2021 में गांव में जमीन खरीदी थी। जमीन की रजिस्ट्रीय और इंतकाल उसकी पत्नी मीना के नाम पर दर्ज हैं। जमीन खरीदने के बाद उसने मट्टी का भरत कराकर दो फुट की चारदीवारी बना दी थी। अब वह इस जमीन पर निर्माणकार्य करना चाहता था। उसने जमीन पर काम शुरू किया तो कविता ने वहां आकर मजदूर को काम करने से रोक दिया। उसने कविता को बताया कि अगर उसके पास काम रुकवाने का कोई कोर्ट का आदेश है तो दिखाए। इसके बाद वह वहां से चली गई। बाद में कविता ने अपने परिजनों के साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया। जब बचाव के लिए उसका बेटा अभिषेक आया, तो इन लोगों ने उसके साथ भी मारपीट करना शुरू कर दिया। आसपास के लोगों ने उनका बचाव किया। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

गाड़ी में बैठकर रिश्तेदार बताया चाबी छीनकर गाड़ी भगा ले गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

भिवाड़ी मोड़ पर शराब ठेके के पास जबरन कार में बैठकर चालक को अपना रिश्तेदार बताते हुए दो युवक चाबी छीनने के बाद कार लेकर फरार हो गए। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में राजस्थान के बिरामपुर निवासी रिषभ ने बताया कि 13 जुलाई को जन्मदिन होने के कारण वह गुरूग्राम में अपने दोस्त प्रवीन से मिलने के बाद उसकी गाड़ी लेकर गांव जाने के लिए निकला था। उसने भिवाड़ी मोड़ धारूहेड़ा आने के बाद गाड़ी महेश्वरी के शराब ठेके के पास रोक दी। ठेके से बीयर लेने के बाद वह गाड़ी में आकर बैठ गया। इसी दौरान बाइक पर आए दो युवक उसके पास रुक गए। पूछताछ करने के बाद उन्होंने उसे अपना रिश्तेदार बताया और उसकी गाड़ी में बैठ गए। दोनों गाड़ी में बैठकर शराब पीने लग गए। उसने दोनों को गाड़ी से उतरने के लिए कहा तो उन्होंने गाड़ी की चाबी छीन ली। उसे धक्का देकर गाड़ी के बाहर धकेल दिया। इसके बाद दोनों गाड़ी लेकर फरार हो गए।

बाइक मौके पर ही छोड़ गए

रिषभ ने बताया कि दोनों युवक बाइक वहीं छोड़कर गाड़ी लेकर फरार हो गए। वह बाइक अपने साथ लेकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पहुंचा। उसने बताया कि आरोपियों में एक राजस्थान के सहडोद निवासी संदीप गुर्जर है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस बरामद की गई बाइक के बारे में भी जानकारी हासिल कर रही है।

मौसम आसमान में छाने वाले बादलों से मिल रही निराशा, सप्ताह के अंत में अच्छी बरसात होने की संभावना

दगाबाज साबित होने लगा मौसम, उमस भरी गर्मी से राहत नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मौसम अब दगाबाज साबित होने लगा है। आसमान में बादल छाने के बाद बरसात की उम्मीद नजर आती है। बिना बरसे ही बादल लौट जाते हैं। तापमान में उतार-चढ़ाव बरकरार है। हवा में नमी सूरज की धूप खिलते ही उमस बनकर लोगों का पसीना छुड़ाने लगती है। किसानों के लिए बारिश का इंतजार फिर से शुरू हो गया है। अगले दो-तीन दिन तक मौसम में बदलाव की उम्मीद कम है, लेकिन सप्ताह के अंत में अच्छी बरसात की संभावना जताई जा रही है। जुलाई के शुरू में ही अच्छी बरसात होने के बाद मानसून की अच्छी बरसात नहीं हुई है। रोजाना आसमान में आंशिक व गहरे बादल छाते हैं, जो बिना बरसे ही लौट जाते हैं। रविवार को भी सुबह से ही आसमान में आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर से पहले आसमान साफ होने के बाद तेज धूप निकली। अधिकतम तापमान 1 डग्रिी सेल्सियस की कमी के साथ 37 डग्रिी दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 0.5 डग्रिी सेल्सियस की कमी के साथ 27 डग्रिी सेल्सियस पर आ गया। हवा में नमी का स्तर 60 फीसदी तक रहा, जबकि हवा की गति करीब 12 किमी प्रति घंटा रही। तेज धूप खिलने के बाद उमस भरी गर्मी ने लोगों को दोपहर बाद तक जमकर परेशान किया। उमस भरी गर्मी के कारण कूलरों की हवा भी पसीने नहीं सुखा पाती, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मौसम विभाग के अनुसार दो से तीन दिन तक आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे। बीच में कहीं-कहीं बौछारें गिर सकती हैं। इस सप्ताह के अंत में अच्छी बरसात होने की संभावना नजर आ रही हैं। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

रेवाड़ी। एक खेत में खड़ी कपास की फसल। फोटो :हरिभूमि

अब फसलों की बारिश की जरूरत

कई दिनों से बरसात नहीं होने के कारण कपास और बाजरे की अगेती फसल को सिंचाई की जरूरत महसूस होने लगी है। इन फसलों में पानी की कमी साफ नजर आने लगी है। अगर मौसम इसी तरह का बना रहा तो बाजरे की फसल को नुकसान हो सकता है। अच्छी बरसात होने की सूरत में फसल तेजी से विकसित होगी। किसानों ने एक बार फिर आसमान की ओर टकटकी लगाना शुरू कर दिया है। ट्यूबवेलों की सिंचाई से दोनों फसलों को एक साथ पानी लगाने में किसानों को दक्कितें आ रही हैं, इसलिए उन्हें बारिश का इंतजार है।

महावीर अवार्ड के लिए 30 तक करें आवेदन

रेवाड़ी। भगवान महावीर फाउंडेशन की ओर से 28वें महावीर अवार्ड के लिए अहिंसा और शाकाहार, शिक्षा दवा व समुदाय और सामाजिक सेवा चार क्षेत्रों में आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिसके लिए अंतिम तिथि 30 जुलाई निर्धारित की गई है।

डीसी राहुल हुड्डा ने बताया कि प्रत्येक क्षेत्र में विजेता को 10 लाख रुपये, एक प्रशिस्त पत्र और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाएगा। डीसी ने बताया कि इस अवार्ड के लिए गरीब तबके व समाज के लिए सेवाएं देने वाले संस्थान और लोग आवेदन कर सकते हैं। इन पुरस्कारों के लिए विजेताओं का चयन भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एमएन वेंकटाचालिहा की अध्यक्षता में न्यायपीठ की ओर से किया जाता है।

जब मैंने प्रेम किया तो मुझे लगा जीवन आकर्षण है जब मैंने भक्ति की तब मुझे लगा जीवन समर्पण है । जब मैं बैठा था तो समझता था कि जीवन उपस्थिति है जब मैं खड़ा था तब समझता था कि जीवन स्थिति है ।
-गोपालदास नीरज

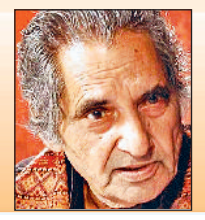

सुग्गा ने उसे बताया कि आखिर क्यों एक संकीर्ण मानसिकता के चलते दोनों पेड़ काट दिए गए। चिरकाल की सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मान्यताओं का समुच्चय एक साथ भगत पंडित के मस्तिष्क में उभर आया। वक्त बीतता गया। अंततः भगत पंडित गाँव का सरपंच बना। अब उसने अपनी दौड़ को राजधानी तक कर लिया है। इधर सुग्गा को अब भी चबूतरे पर दोनों पेड़ों के फिर से जिंदा होने का इंतजार है। लेकिन पेड़ कहाँ हैं?

कहानी | डॉ. एस.डी. वैष्णव

पेड़ कहाँ हैं

अगर मंदिर पर से एक भी पेड़ काटा, तो ठीक नहीं होगा। भगत पंडित ने बुलेट बाइक से उतरते ही आवाज मुखर की। 'तुम लोगों ने लगाए पेड़ जो काटने चले आए! अरे, पुरखों की विरासत है यह दोनों। मैं देखता हूँ, कौन काटता हैं!' अपने तल्ख लहजे में उसने सबको आगाह किया।

भगत पंडित गाँव में युवा नेता था। सबके हित की बात करता और कहीं अनुचित होता देखता, तो लड़-भिड़ जाने को तत्पर रहता। मुँह फट आदमी था। एक बार खरी कह दी, सो कह दी। उसके वहाँ आते ही मंदिर पर जमा लोगों को जैसे साँप सूंघ गया। उसने कहा, 'पेड़ लगाने के जमाने में पेड़ काटने पर आमादा हो रहे हो!' उसका बोलना हुआ कि सब आगे-पीछे होने लगे।

भगत पंडित की वजह से कुछ पल चबूतरे पर सन्नाटा पसरा रहा। बड़बड़ाते जाते हुए, उसने कश्मीरी मफलर को गले में ठीक से लपेटा। फिर बाइक को किक लगाई। बाइक डुबू-डुबू-डुबू-डुबू करती हुई, आगे निकल गई।

बाइक के लॉन्ग स्ट्रोक इंजन से आती गहरी गड़गड़ाहट देर तक चबूतरे पर सुनाई देती रही। इंजन से आती उस ध्वनि में चेतावनी की गूँज भी मौजूद थी।इधर घर आने के बाद पेड़ों को लेकर भगत पंडित का मन थोड़ा विचलित था।

गाँव के हनुमान मंदिर के लंबे-चौड़े चबूतरे पर अक्सर युवाओं और बुजुर्गों की बैठकें होती रहती थीं। चबूतरे के दोनों कोनों पर खड़े विशालकाय पीपल और नीम का वृक्ष अपने अतीत की गौरव गाथा स्वयं बयां करते थे। रामलीला का मंचन हो, चाहे अखंड रामायण पाठ, चाहे गाँव में यदा-कदा आने वाले छोटे-मोटे राजनेताओं का सम्मान और भाषण कार्यक्रम आदि इसी चबूतरे पर आयोजित होते। गाँव में जब कभी वानर साम्राज्य का आगमन होता, तब वे कई दिनों तक इन दोनों पेड़ों को अपना घर मानकर, डेरा जमाए रहते जो नित्य छोटे बच्चों के लिए कौतूहल का केंद्र बनते।

शीतकाल में चबूतरे पर बनी धूणी पर अलाव लगाया जाता, फिर देर तक बहस चलती- गाँव में कौन क्या कर रहा है, किस-किसी ने कहाँ-कहाँ अपना खूँटा गाड़ रखा है, कहाँ विवाह है और कहाँ मृत्युपरांत होनेवाली बैठकें..इन सब बातों की जानकारी चबूतरे पर मौजूद थी। कुछ पढ़े-लिखे युवा मृत्युभोज का विरोध करते, तो उन्हें चबूतरे की बैठकों से दुत्कार दिया जाता। आरोप लगाया जाता कि ज्यादा पढ़-लिख गए हैं, अब परंपरा को बिसराने की बात कर रहे हैं। बारह दिन का चाल-चलन तो करना ही पड़ता हैं, अन्यथा मृत आत्मा को शांति नहीं मिलती है।

गाँव में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के समर्थक बराबर रूप से मौजूद थे। एक बार शीतकाल में रूस-यूक्रेन युद्ध का मुद्दा कई दिनों तक अलाव के आसपास मंडराता रहा। युद्ध लंबा चला, लिहाजा बहस भी लंबी चली। बहस का जब राजनीतिकरण होने लगता, तो बात हाथापाई तक भी आ जाती थी।

खैर, यह मन-मुटाव ज्यादा दिन नहीं चलता और किसी बहस के साथ फिर नयी शुरुआत होती। कुछ दिन बाद चबूतरे पर से अफ़वाह भरी यह खबर भी उठने लगी थी कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का संबंध तो राजस्थान से है। और इन सब बातों के मुख्य गवाह यह दोनों पेड़ ही थे।

समय के पड़ाव के साथ चबूतरे पर टीन शेड डालने की योजना बनी, तो सालों से अपनी बाँहें फैलाए अटल विश्वास के साथ खड़े दोनों विशालकाय पेड़ों को धराशायी होना पड़ा।

भगत पंडित के साथ कुछ और लोगों ने भी इस बात का मजबूती के साथ विरोध किया कि नीम के अपने औषधीय गुण हैं, ऊपर से शीतला माता नीम के नीचे ही विराजित हैं। और पीपल का पेड़ तो किसी भी स्थिति में काटना अपशगुन माना जाता है। पीपल का वृक्ष भगवान विष्णु का जीवंत स्वरूप है, इसलिए इनको यथावत रखा जाए। फिर महिलाओं को दशामाता पूजन के लिए भी पीपल का वृक्ष चाहिए! बहन-बेटियां गाँव से बाहर कहाँ जाएंगी!

खैर, इन तर्कों का कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला, क्योंकि टीन शेड डालने वालों की तरफ ज्यादा लोग थे। उनका पक्ष मजबूत था। भगत पंडित को सरपंच पद पर निर्विरोध विजय बनाने का आश्वासन मिला, तो उसने भी अपनी जुबान बंद कर दी। अंततः दोनों पेड़ों को टीन शेड के नाम पर जमींदोज होना पड़ा। पक्षियों के घरौंदे जमीन पर बिखर गए और दोनों पेड़ गाँव वालों की यादों में रह गए।

टीन शेड लगा। फिर पंखे भी लगाए गए, लेकिन उन दोनों पेड़ों जैसी शीतल छाया वाली बात अब कहाँ थी..! सुबह-शाम होने वाला पक्षियों का कलरव भी खत्म हो गया था। संध्या वेला में आरती के समय नीम पर दिखने वाला सारंग और सुर्ख गुलाबी रिंग वाला सुग्गा भी अब नजर नहीं आएंगे। पीपल में तो पितरों और तीर्थों का वास होता है, पर अब यह सब अनुभूति कहाँ होंगी! औरतें कहाँ पूजा करेंगी! बड़ी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी।

भगत पंडित के जहन में कवि बिलाल 'वास्कोडिगामा' की पंक्तियाँ तरी हो रही थीं- 'परिंदे नहीं लड़ते पेड़ों से, गौर से देखोङ्ग:लड़ रही हैं कुछ भूखी कुल्हाड़ियाँ, पेड़ों के बदन से।'

भगत पंडित ने भीतर से आहत होते हुए भी इस पूरे प्रकरण पर अपनी आँखें मूंदें रखीं, लेकिन सुग्गा की आँखें खुली थीं। इस घटना में कई पक्षियों के साथ उसकी प्रेयसी की भी मौत हो गई थी। नीम कटते वक्त वह कोटर में मौजूद थी। सुग्गा अमेजॉन प्रजाति का बड़ा विचित्र पक्षी था जो लंबे समय से नीम के कोटर में अपनी प्रेयसी के साथ रह रहा था। उसके पास मनुष्यों के भाषण और ध्वनि संकेत को समझने की दिव्य शक्ति थी; लेकिन गाँव में यह बात किसी को मालूम नहीं थी।

एक बार रात के अंतिम पहर में भगत पंडित ने स्वप्न में देखा कि एक रहस्यमयी सुग्गा उसके द्वारा पर बैठा है। वह उसे गाँव के उन षड्यंत्रकारी लोगों के बारे में बताना चाहता है जो उसे चुनाव में एकतरफा विजय बनाने का आश्वासन दे चुके थे। और आगे उनका राजनीतिक हथकंडा और एजेंडा क्या है? उसे मोहरा बनाकर पेड़ काट दिए गये। सुग्गा ने उसे यह भी बताया कि राजनीति का उसूल है- बड़े बरगद के नीचे छोटा बरगद कभी पनप ही नहीं सकता। और भी बहुत कुछ था उस स्वप्न में...।

स्वप्न ने भगत पंडित को झकझोर दिया। पसीने की बूंदें उसके चेहरे पर तैर आईं। वह उठ बैठा। अपना हुलिया दुरुस्त किया और देखा कि वह अपने कमरे में ही मौजूद है। उसने घड़ी में देखा, अभी दिन फूटने में वक्त था। सपने कौनसे सच होते हैं! यही सोचकर वह फिर से कंबल तानकर सोये रहा।

सुबह जब वह घर से बाहर निकाला तो हतप्रभ था। उसने देखा, सुग्गा ठीक स्वप्न वाली जगह पर बैठा था। भगत पंडित को देख, वह उड़कर मंदिर की ओर चला गया।

भगत पंडित के भीतर द्वंद्व चलने लगा। आखिर कौन है बड़ा बरगद! जो भी हो, वह उससे लोहा लेकर ही रहेगा। पेड़ों के कट जाने का पश्चाताप उसे होने लगा। उसने निश्चय किया कि वह टीन शेड हटवाकर पुनः पीपल और नीम का वृक्ष लगाएगा।उसने अपनी बुलेट बाइक स्टार्ट की और मंदिर की ओर चला। वहाँ उसने देखा, सुग्गा मंदिर के गुंबद पर बैठा था।

कुछ दिन आगे एक बार फिर स्वप्न में सुग्गा ने उसे बताया कि आखिर क्यों एक संकीर्ण मानसिकता के चलते दोनों पेड़ काट दिए गए। चिरकाल की सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मान्यताओं का समुच्चय एक साथ भगत पंडित के मस्तिष्क में उभर आया।

वक्त बीतता गया। अंततः भगत पंडित गाँव का सरपंच बना। अब उसकी ठसक और रंग-ढंग अलग है। धीरे-धीरे आगे भगत पंडित को विधायकी के टिकट का भी आश्वासन मिलने लगा है। अब उसने अपनी दौड़ को राजधानी तक कर लिया है। इधर सुग्गा को अब भी चबूतरे पर दोनों पेड़ों के फिर से जिंदा होने का इंतजार है। लेकिन पेड़ कहाँ हैं?

चौपाई छंद | शकुन्तला काजल 'शकुन'

संत कबीर दास

ज्येष्ठ मास की पूरण मासी।
नीरू-नीमा तजें उदासी।।
कारण था नन्हा -सा बालक।
आज बने थे जिसके पालक।।

मगहर की धरती मतवाली।
चारों और दिखी खुशहाली।।
ज्यों -ज्यों बढ़ता गया कबीरा।
ज्ञान -ध्यान में तपा शरीरा।।

निर्गुण ज्ञान मार्ग अपनाया।
तज पाखंड विरोध जताया।।
नित बुराइयों की जड़ खोदी।
बहुतेरे जन बने विरोधी।।

इनके शिष्यों ने बतलाया।
नहीं कभी गुस्से में पाया।।
सत्य- अहिंसा के पथ गामी।
अलबेले थे अंतर्यामी।।

जब-जब इनको गया सराहा।
बेबस और गिराना चाहा।।
शेख तकी ने नफरत बो दी।
ईश्वर ने जिह्वा ही खो दी।।

सबद, रमैनी इनके दोहे।
जो हर प्राणी का मन मोहे।।
कबीर बीजक, कबीर साखी।
तैर गए जिस- जिसने चाखी।।

कविता | निधि राठी

पुराना मकान

एक घर था जो ढह गया,
एक वक्त था जो बीत गया,
दीवारों से खिलखिलाहट झड़ने लगी है,
मेरी यादें मुझे मुंह मोड़ने लगी है।

सब कुछ तो छोड़ जाना है एक दिन,
फिर क्या तेरे संग क्या तेरे बिन,
ऐसे गिन कर दिन गुजार रही हूं,
मानो किसी का क़र्ज़ उतार रही हूं।

वो रह गया अंदर जो कहना था,
कुछ सह चुके थे,
पर शायद अभी और सहना था,
आंगन में नीम का पेड़ मुरझाने
लगा है,
गांव की गलियां सुनसान देखी,
लगा गांव भी शहर सा होने लगा है।

तस्वीर टूटने वाली है,
कांच बिखरने वाला है,
एक तूफ़ान सब बरबस हो जाएगा,
रोक ले नहीं तो पराया हो जाएगा।

खौंफ आता है इन दरारों से,
जो मेरी चौखट में आई है,
वो दूर खड़ी जो हंस रही है,
मैं हूं या मेरी परछाई है।

दरवाजा बंद नहीं होता,
शायद अकड़ गया है,
देखकर इस पुराने मकान की
हालत मेरा दिल बैठ सा गया है,
मकड़ी के बनाए जाल इस
बात का गवाह है,
वीरान रहा, बारिश, ठंड, धूप,
आंधी सब अकेला ही सहता रहा।

खिले फूल किसी एक कोने में
चुपचाप लहराते रहे,
संदूकों में जंग लग गया,
वो कपड़े, गहने यूं ही सड़ते रहे,
मैं जाऊंगी इस जहां से तो
सबको बता कर जाऊंगी,
किला ढह जाएगा, शोहरत मलबे में
दब जाएंगी, रुतबा बिखर जाएगा,
जमीने भी लूट ली जाएंगी।

ग़ज़ल | श्रीभगवान बव्वा

क्या हुआ है आपकी नाराज़गी क्यों चल रही है,
छोड़ भी दे दुश्मनी को उम्र भी अब ढल रही है ।

यह नहीं मालूम मुझको दोष जिसका भी रहा हो,
नफरतों की आग लेकिन बस्तियों में जल रही है।

हैं बने अब खास देखो न्याय के वे भी पुरोधा,
पीढ़ियों से कौम जिनकी जुल्म की दल दल रही है।

छोड़कर उसको बुढ़ापे में कहीं मत और जाना,
माँ तेरी हरदम से तेरे प्यार में पागल रही है।

काश उसको तुम सिखाते वह बहुत मजबूत होती,
आज बेबस जो बेचारी हाथ खुद के मल रही है।

कविता | भूपसिंह भारती

एक पेड़ मां के नाम

आओ बच्चों तुम्हें बताएं,
महिमा पेड़ महान की।
पग-पग पर ये सेवा करता,
निस्वार्थ हर इंसान की।

निकल बीज से धीरे धीरे,
पौध पेड़ में पनपता है।
फैलाकर ये बाहें अपनी,
फूलों से लदा महकता है।
पेड़ हरे फिर बाधा सारी,
देखो इस पूरे जहान की।

अपनी शीतल परछाई से,
गर्मी को दूर भगाता है।
ये मीठे-मीठे फल देकर,
मन को खूब लुभाता है।
हरदम खुशियों से भर देता
खुशियों की झोली भर दे,
ये बिन मांगे अंजान की।

कार्बनडाइऑक्साइड ले,
दे ऑक्सीजन जीवनदायी।
मरकर भी ये ईंधन देता,
जीवन इसका है फलदायी।
ये नहीं भेद करता कोई,
अद्भुत माया भगवान की।

बिन पेड़ों के होने लगे,
जग में घने अंधेरे है।
कंक्रीटों के इन जंगलों से,
बढ़ रहे प्रदूषण घेरे हैं।
जीवन बचाने को बनो कड़ी,
इस पौधगिरी अभियान की।

एक पेड़ मां के नाम पर,
जरूर लगे हर आंगन बीच।
आने वाली पीढ़ी को बचाने,
पेड़ को मन लगाकर सींच।
कहे 'भारती' तभी बचेगी,
जिंदगी भावी संतान की।

लघुकथा | सविता गोयल

फर्ज

'क्या फायदा इतना पढ़ लिखकर इसी देश में रहने का? इतने बड़े डॉक्टर बन गए हो तुम। विदेश में एक से बढ़कर एक मौके मिलेंगे तुम्हें आगे बढ़ने के।',

' हाँ चाचा, आगे बढ़ने के मौके तो मिलेंगे लेकिन अपने देश की सेवा करने का मौका मुझे नहीं मिलेगा। जिस देश में रहकर मैंने शिक्षा प्राप्त की है अब यहीं रहकर उस देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाना चाहता हूँ। '

भतीजे के बात सुनकर चाचा ने गर्व से उसकी पीठ थपथपा दी।

' अगर हर बच्चा तुम्हारे जैसी सोच रखे तो हमारे देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। '

लघुकथा | शीला बड़ोदिया

वो गाय

स्कूल की घंटी बजी। नीला बोली, पावी आज मां को खाना बनाने में देर हो गई थी, इसलिए मैं टिफिन नहीं लाई हूं। घर जाकर लंच बॉक्स लेकर आते हैं। स्कूल के बाहर निकल कर पावी बोली, देखो नीला, उस गाय के पेट में कितनी बड़ी गांठ है। वह गांठ के वजन के कारण ठीक से चल भी नहीं पा रही है। हाँ पावी, बेचारी गाय को कितनी तकलीफ हो रही होगी, कितना दर्द हो रहा होगा चलने में। हम तो बोल कर अपनी तकलीफ बता सकते हैं ,लेकिन यह बेजुबान जानवर अपनी तकलीफ किस को कहे और उनकी तकलीफ कौन समझेगा । चलो नीला जल्दी चलो। लंच खत्म हो जाएगा हमें घर से टिफिन लेकर आना है। नहीं तो देर होने पर टीचर हमें डांट लगाएंगे । हां हां पावी चलो, चलते हैं। इतने में गाय उनके पीछे-पीछे भागने लगती है। आगे- आगे पावी और नीला भागते हैं। उनके पीछे-पीछे गाय भागने लगती है। पावी देखो पीछे, हां नीला, हमारे पीछे गाय भाग रही है । यह हमारे पीछे क्यों पड़ी है? हम तो इस पर दया करके उसकी बात कर रहे थे, कि इसे कितनी तकलीफ हो रही होगी, लेकिन यह तो हमारे पीछे ही पड़ गई। नीला जल्दी भागो, जल्दी नहीं तो गाय हमें मार देगी अपने बड़े-बड़े सींग से।

हमारा घर थोड़ी ही दूर रह गया है जल्दी भागो। दोनों की साँस फूल जाती हैं। दोनों नीला के घर पहुंच जाते हैं और गाय दौड़ते हुए आगे की तरफ निकल जाती है घर पहुंच कर पावी और नीला चैन की सांस लेती है । पावी आज तो हम बच ही गए। हां नीला अब हम कभी भी किसी गाय की बात नहीं करेंगे।

सविता मानती हैं कि इस आधुनिक युग में साहित्य, लोक कला और संगीत एक दायरे में सिमट कर रह गए हैं और युवा पीढ़ी की कम होती रुचि का असर सामाजिक और संस्कृति नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसके जिम्मेदार हम ही हैं, जो सुविधाएं देने के नाम पर बच्चों को साहित्य, संस्कृति, और लोक कला से दूर कर रहे हैं। हास्य के नाम पर द्विअर्थी कविताएं परोसने से समाज पर बुरा असर पड़ रहा है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

आधुनिक युग में साहित्य व लोक कला एक दायरे में सिमटे: सावी

हरियाणा की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को संजोने के मकसद से लेखक, साहित्यकार व गायक अपनी कला के हुनर से समाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। समाज सेवा में सक्रिय ऐसी ही लेखिका सविता गर्ग लोक साहित्य और कला जैसे क्षेत्र में लेखन से संस्कृति संवर्धन करने में जुटी हैं। सविता गर्ग 'सावी' ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें साहित्य और और संस्कारों के प्रति सकारात्मक ऊर्जा के साथ समृद्ध संस्कृति को जीवंत करने में सक्षम है।

सविता गर्ग का जन्म 3 अप्रैल 1983 को जींद के नगूरा गांव में व्यवसायी राम रत्न गोयल के घर में हुआ। माता गृहिणी हैं और घर का माहौल धार्मिक रहा। उनकी मां बहुत अच्छा गाती हैं। बचपन में मां को भजन गाते गुनगुनाते हुए सुना और उनके साथ गाते-गाते कई भजन याद हो गए। बकौल सविता गर्ग जब वह आठ साल की थी तो उनके मामा उन्हें अपने साथ गांव जाजनवाला ले गए और पढ़ाई वहीं हुई। नाना के घर भी वैसा ही माहौल मिला। वह जिस स्कूल में पढ़ती थी, वहां के हेड मास्टर पंजाब सिंह ने उन्हें गाते सुना तो स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम में गाने के लिए प्रेरित किया। इससे बालमन बड़ी आशाओं से भर गया, जिसके बाद बहुत सारे कार्यक्रमों में नृत्य और गायन दोनों किया। बचपन से ही खासकर कविताएं और कहानियां पढ़ने का शौक था। कोई कागज का लिखा हुआ लिफाफा बहुत सावधानी से खोलकर वह कागज़ के लिफाफों पर लिखी कहानियां भी पढ़ती थी। जहां कहीं कोई कागज़ का टुकड़ा मिलता, बस उसे खोलती और पढ़ती। उस वक्त साहित्य के बारे में तो कुछ भी नहीं जानती थी। वह ग्यारहवीं कक्षा में थी, तो सौभाग्य से वृंदावन जाना हुआ और बस वहीं से जीवन में एक ऐसा मोड़ आया कि घर आने के बाद बार बार वृंदावन जाने का मन करता था, लेकिन संभव नहीं था। मन के इस द्वंद्व में कब कलम हाथ में आई पता ही नहीं चला, जो लिखा है वह एक बहुत अच्छा भजन बन गया और उसके लेखन के केंद्र में कृष्ण कन्हैया ही थे। स्कूल की मैगजीन और उसके बाद कॉलेज की मैगजीन में मछोटी छोटी रचनाएं प्रकाशित हुई। इसके अलावा दहेज प्रथा, भ्रूणहत्या, नारी उत्पीड़न और भी कई विषयों पर कविताएं लिखी। सौभाग्य से एक बार उनके कॉलेज में जींद के जाने माने साहित्यकार राजेंद्र मानव गोष्ठी के उद्देश्य से आए, जिनके सामने उन्हें भी कविता पढ़ने का अवसर मिला, जिसे खूब सराहा गया। इसके बाद उन्हें गोष्ठियों में मंच पर गाने का निमंत्रण मिले, जहां से उनकी साहित्यिक गतिविधियां सार्वजनिक हुई। साहित्य और लोककला के क्षेत्र में उतार चढ़ाव भी एक जीवन का हिस्सा होता है। कुरुक्षेत्र में यूथ फेस्टिवल में पहली बार प्रस्तुति के लिए उसकी हरियाणवी नृत्य और गायन की तैयारी थी, लेकिन पिता ने जाने से इंकार कर दिया। पाबंदी की वजह से पहली बार यूथ फेस्टिवल में प्रस्तुति देने का अवसर खोना पड़ था। मन बहुत उदास था, लेकिन समझाने पर भी पापा नहीं माने, तो ऐसे में मां उनका सहारा बनी और इस आयोजन में उनकी दोनों प्रस्तुतियां शानदार रही। हरियाणवी में लेखन और गायन उनका फोकस भ्रूणहत्या, दहेज प्रथा के अलावा देश प्रेम, भाईचारा, संस्कृति व आध्यात्मिकता पर रहा है। अभी तक उनके 17 हिंदी और हरियाणवी भजन रिलीज हो चुके हैं। सविता गर्ग राष्ट्रीय कवि संगम पंचकूला इकाई की अध्यक्ष भी हैं। खास बात यह भी है कि हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा एकल काव्य संग्रह के प्रकाशन हेतु पाण्डुलिपत चयनित व अनुदान स्वीकृति प्राप्त सविता गर्ग हिंदी साहित्य सेवा के साथ समाज सेवा में सक्रिय हैं।

सविता मानती हैं कि इस आधुनिक युग में साहित्य, लोक कला और संगीत एक दायरे में सिमट कर रह गए हैं और खासतौर से युवा पीढ़ी की कम होती रुचि का असर सामाजिक और संस्कृति नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसके जिम्मेदार हम ही हैं, जो बच्चों को साहित्य से दूर कर रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

सविता की प्रकाशित पुस्तकों में एकल काव्य संग्रह 'मेरी उड़ान' और 'मैं मीरा-सी' तथा बाल काव्य संग्रह 'प्यारी सोनपरी' सुर्खियों में हैं। इसके अलावा नशामुक्ति जैसे विषय पर आधारित संयुक्त काव्य संकलन 'ये जिंदगी है अनमोल' तथा संयुक्त काव्य संकलन 'उमंग अभिव्यक्त' में उनकी कविताएं प्रकाशित हुई हैं। राज्य की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में प्रकाशित सांझा बाल काव्य संकलन 'दुनिया गोल मटोल' में उनकी कविताओं को प्रमुखता से स्थान मिला है। उनके 17 भजन जारी हो चुके हैं। विभिन्न समाचार पत्रों पत्रिकाओं में हिंदी व हरियाणवी कविताओं व गीतों का प्रकाशन होता आ रहा है।

सविता गर्ग 'सावी'

पुरस्कार व सम्मान

उन्हें अंतरराष्ट्रीय पद्म शौर्य सम्मान, भारत गौरव सम्मान, मैथिली शरण गुप्त सम्मान, हरियाणा भूषण सम्मान, नारी शक्ति सम्मान, कोकिला रत्न सम्मान, युवा शताब्दी साहित्यकार सम्मान, निर्भया अवार्ड, मधुशाला गौरव सम्मान, अमृत महोत्सव काव्य गौरव सम्मान, हरियाणा गौरव काव्य दर्पण सम्मान, अग्र गौरव सम्मान, वूमेन वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा वूमेन इंस्पिरेशनल अवार्ड के सम्मान प्रमुख हैं। उन्हें बिहार की संस्था विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ द्वारा विद्यावाचस्पति की मानद उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: सविता गर्ग 'सावी'
जन्मतिथि: 3 अप्रैल 1983
जन्म स्थान: गांव नगूरा, जींद(हरियाणा)
शिक्षा: स्नातक डिग्री(जन प्रशासन)
संप्रति: समाज सेविका, गायिका, स्वतंत्रत लेखन

लोहिया के समाजवाद से परिचय कराती पुस्तक

पुस्तक : लोहिया के सपनों का भारत
लेखक : अशोक पंकज
प्रकाशक : राजकमल

पुस्तक समीक्षा | डॉ. जितेंद्र प्रसाद

लोहिया के बारे में लिखना संवेदनशील और गंभीर कार्य है, जिसको इस पुस्तक के लेखक ने बखूबी निभाया है। लोहिया अपने आपमें एक प्रतिरोध हैं, जिन्होंने तत्कालीन समय के राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय विचारधाराओं के बरक्स स्वयं की समाजवादी विचारधारा को एक विकल्प के रूप में खड़ा किया। लोहिया के समाजवाद संबंधी विचार, उनकेभाषणों, लेखो, में बिखरा हुआ है जिसे प्रो.अशोक पंकज ने संक्षिप्त पुस्तक में बड़ी सहजता के साथ पेश किया है। उम्मीद है कि इस पुस्तक के माध्यम से लोहिया के विचारों पर शैक्षणिक जगत और आमजनमानस में चर्चा-परिचर्चा एवं विमर्श की एक नई शुरूआत होगी। लोहिया के विचारों को आमजनमानस तक पहुँचाना लेखक का एक प्रमुख उद्देश्य है, जिसमें वे सार्थक हुए हैं। इस पुस्तक में लेखक ने लोहिया के समाजवाद के विचारों को सैद्धांतिक, वैचारिक एवं अन्य पहलुओं को पांच खंडों में प्रस्तुत किया है। पहला खंड, लोहिया के समाजवाद की रूपरेखा है; दूसरा खंड, लोहिया के सैद्धांतिक पहलुओं, जिसमें समता से संपन्नता, सिविलनाफ़रमानी से लोकतंत्र को बताया गया है; तीसरा खंड, लोहिया के वैचारिक पहलू; चौथे खंड में व्यावहारिक पहलू, तथा पांचवें खंड में उनके विचारों की समसामयिकता का विश्लेषण किया गया है । लेखक ने पुस्तक में लोहिया के विचारों के सैद्धांतिक पहलुओं को प्रस्तुत करने के साथ उनके विचारों का भविष्य में क्या आधार होगा, यह संभावना भी तलाशी है।

प्रो.पंकज ने पुस्तक में लोहिया के सपनों के भारत का महत्वपूर्ण स्तंभ 'चौखंभा राज' की अवधारणा को सरल तरीके से व्याख्या की है, जिसमें लोहिया सत्ता का विकेंद्रीकरण करना चाहते हैं। लेखक ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति आय में असमानता, बढ़ती गरीबी, जातीय एवं वर्ग भेद, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के सुविधाओं की कमी रोजगार का संकट के आँकड़ों को प्रस्तुत कर यह साबित किया है कि,'लोहिया के सपनों का भारत' का निर्माण अधूरा है और उसके लिए उनके विचारों को समझाने एवं कार्यक्रमों को सही संदर्भों में लागू करने पर बल दिया है । लेखक 'लोहिया के सपनों का भारत' के निर्माण को समसामयिक राजनीतिक परिदृश्य से गायब पातेहैंऔर उसे साकार होने की उम्मीद के रूप में देखते हैं। उन उम्मीदों में इस पुस्तक की प्रासंगिकता है और इसकी सार्थकता भी।

खबर संक्षेप

कमल निम्बल को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

बावल। मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका ने कमल निम्बल एडवोकेट को उनके सामाजिक कार्य और विधि दर्शन में मानद उपाधि प्रदान की हैं। कमल निम्बल बाल्यकाल से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से लगातार सामाजिक कार्यों में आगे रहे है और कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद से लगातार विधि दर्शन में भी उनकी रुचि रही है। उनकी इस प्रतिभा को देखकर डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर कमल निम्बल को अधिवक्ता साथियों ने बधाई दी है।

यादव सभा के फ्री कैंप में 153 मरीजों की जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 153 मरीजों को निःशुल्क ओपीडी सेवाएं देकर फ्री दवाईयां प्रदान की गई। डॉ एच आर यादव ने मेडिसिन, डॉ सिद्धार्थ यादव ने हड्डीरोग, डॉ प्रदीप यादव ने सर्जरी, डॉ मनीष यादव ने ईएनटी, डॉ कंचन यादव ने नेत्ररोग व डॉ सुमन यादव ने स्त्रीरोग के मरीजों को परामर्श दिया। शिविर के आयोजन में प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, गोकल राम, अमर सिंह, राम सिंह, सुरेंद्र सिंह,आनंद यादव, आरएस यादव, सभा प्रवक्ता सतीश यादव व बिक्रम का सहयोग रहा।

मकान में चोरी का एक और आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए रेवाड़ी इंचार्ज निरीक्षक सुमेर सिंह की टीम ने गांव खालेटा के एक मकान से जेवरात, नकदी व अन्य सामान चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव मायन निवासी जुगनू के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए जेवरात में से 1 सोने की अंगूठी, 1 जोड़ी सोने के झुमके, 1 जोड़ी चांदी की पायजेब, 3 चांदी के सक्के व 2 हजार रुपये नकद बरामद किए है।

रेलवे लाइन के पास अज्ञात का शव मिला

रेवाड़ी। रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ रेलमार्ग पर नागलमूंदी स्टेशन के पास एक अज्ञात युवक का शव मिला है। जीआरपी एएसआई सुरेंद्र कुमार ने बताया कि शनिवार को जीआरपी को एक युवक के नांगलमूंदी स्टेशन के नजदीक रेलवे लाइन के पास मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। जांच में युवक की पहचान नहीं हो पाई है। युवक किसी ट्रेन से गिरा हुआ प्रतीत होता है। युवक के पास 11 जुलाई की रात की रोहतक से नई दिल्ली तक की टिकट मिली है। युवक के दाहिने हाथ पर सुरमे से हिंदी में बम-बम तथा अंग्रेजी में निशा-पूजा लिखा हुआ है। मृतक के शव को शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है।

ट्रैक्टर चालक ने खेतों में पेड़ पर लगाया फंदा

नारनौल। गांव मेई में एक ट्रैक्टर चालक ने घरेलू कारणों के चलते गांव के बाहर खेतों में पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम कराया। जानकारी के मुताबिक गांव मेई निवासी करीब 25 वर्षीय आनंद शर्मा ने गांव से बाहर खेतों में पेड़ से फांसी का फंदा लगा लिया। प्रातःकाल को ग्रामीणों ने उसे पेड़ पर लटका देख इसकी सूचना परिजनों को दी।

मुख्यमंत्री को मांगपत्र सौंपकर की पुस्तकालयों का शुभारंभ करने की मांग

सामान में करोड़ों खर्च करने के बाद भी नहीं शुरू हुए सार्वजनिक पुस्तकालय

- रेवाड़ी जिले के तीन सब डिवीजन व छह ब्लॉक कार्यालयों पर पुस्तकालय खोले जाने थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नाहड़

सीताराम शर्मा।

रिटायर्ड डिप्टी डायरेक्टर लाइब्रेरी साइंस हरियाणा एजुकेशन विभाग पंचकूला ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को मांगपत्र सौंपकर पुस्तकालय का शुभारंभ करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने जल्द से जल्द कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। पूर्व उप निदेशक सीताराम शर्मा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के दिशा-निर्देश पर उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा की ओर से सार्वजनिक पुस्तकालय के शुद्धिकरण एवं विस्तारीकरण योजना के तहत हरियाणा में सभी उपमंडल एवं सभी ब्लॉकों में सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने के लिए स्वीकृत राशि 10 करोड़ में उपरोक्त पुस्तकालय के संचालन के लिए सामान खरीद कर भुगतान किया जा चुका है, जिसमें रेवाड़ी जिले के तीन सब डिवीजन व छह ब्लॉक कार्यालयों पर पुस्तकालय खोले जाने थे। प्रदेश भर में खोले जाने वाले 119 सार्वजनिक पुस्तकालय के लिए 5 करोड़ 55 लाख 29 हजार 688 की राशि से 1231 कंप्यूटर व अन्य का भुगतान हार्ट्रोन को वर्ष 2021 में किया जा चुका है।

सामान खरीदने पर भी नहीं शुरू हुए पुस्तकालय

योजना के तहत हरियाणा के बेरोजगार युवाओं, विकलांगों एवं महिलाओं को नजदीक पुस्तकालय की सेवा उपलब्ध कराया जाना था। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक पुस्तकालय के लिए 12160 कुर्सियों के लिए हरियाणा फरिस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन दो करोड़ चौतीस लाख साठ हजार दो सौ अठासी रुपये का भुगतान 2022 में किया जा चुका है। जिले के सब डिवीजन व ब्लॉक स्तर पर खोले जाने वाले सार्वजनिक पुस्तकालय के लिए पुस्तकें चिल्ड्रेन बुक ट्रस्ट एवं हरियाणा साहत्यि अकादमी की ओर से 2021 में खरीदी जा चुकी है और सभी पुस्तकें संबंधित जिला पुस्तकालय में रखी हैं। इसके साथ ही जिले में खोले जाने वाले सार्वजनिक पुस्तकालय के लिए अन्य सामान 2021 में खरीदे जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सब डिवीजन व ब्लॉक स्तर पर खोले जाने वाले सार्वजनिक पुस्तकालयों के लिए प्रदेशभर के 642 स्केनर कम प्रिंटर हार्ट्रोन से 2021 में खरीदे जा चुके हैं। नोडल अधिकारी की देखरेख में खोले जाने वाले सभी पुस्तकालय के लिए जिला स्तर पर सरकारी भवन, सार्वजनिक भवन या संस्थाओं की ओर से निशुल्क भवन चिंहित भी कराए जा चुके थे। पुस्तकालयों में रीडिंग टेबल एवं अलमारी के लिए हरियाणा फरिस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को पहले ही आदेश किए जा चुके है व वित्त विभाग से सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने की अनुमति पूर्व में मिल चुकी है। महानिदेशक उच्चतर शिक्षा हरियाणा की ओर से 8 फरवरी 2023 को जिला उपायुक्त से फसीबिलिटी रिपोर्ट भी मांगी जा चुकी है।

शिविर में 145 यूनिट ब्लड हुआ एकत्रित

रेवाड़ी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुंड

कुंड बैरियर पर रविवार को रक्तदान व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान विश्वामित्र व पूर्व जिला पार्षद आजाद सिंह नाधा ने शिविर का शुभारंभ किया। निजी संस्थानों की ओर से आयोजित शिविर में 145 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। समाजसेवी संस्थाओं को रक्तदान शिविर लगाने चाहिए तथा युवाओं को ऐसे शिविरों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र व हेलमेट देकर सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से डा. नवीन यादव, डा. सुनील और मूलचंद स्वामी ने मरीजों की जांच की। इस अवसर पर अधिवक्ता रविंद्र खोला, राजेश, महावीर, कपिल व ओमप्रकाश सहित अनेक लोग मौजूद थे।

आशा वर्करों का सम्मेलन आयोजित, मांगों को लेकर आंदोलन के लिए कमेटी गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। सम्मेलन में उपस्थित आशा कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी से संबंधित आशा कार्यकर्ता यूनियन का तीसरा जिला सम्मेलन रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में आयोजित किया गया, जिसमें जिलेभर की सैकड़ों आशा वर्करों ने भाग लिया। सम्मेलन की कार्यवाही यूनियन की राज्य उप प्रधान विजय लक्ष्मी व केंद्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के जिला अध्यक्ष कॉमरेड बलराम के नेतृत्व में हुई। इस अवसर पर यूनियन की जिला सचिव संतोष ने आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओं की जानकारी दी। जिला सचिव ने कहा कि 17 नवंबर 2023 को मिशन डायरेक्टर के साथ यूनियन की हुई वार्ता में बनी सहमति के शेष मुद्दों को भी लागू किया जाए, जिनमें आशा वर्करों को टैब देने, उनको प्रशिक्षण देने, जिला अस्पताल सहित सीएचसी व पीएचसी में आशा आराम गृह बनान व प्रोत्साहन राशि को दोगुना करना शामिल था। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार ने हमारी मांगों पर विचार नहीं किया तो आगामी दिनों में यूनियन जोरदार आंदोलन करेगी। एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान एवं श्रमिक नेता कॉमरेड बलराम ने सरकार से मांग आशा कार्यकर्ताओं की मांगों को पूरा करने की मांग की। सम्मेलन में आगामी आंदोलन की रणनीति बनाई गई और आंदोलन को नेतृत्व देने के लिए नई जिला कमेटी का चुनाव किया गया। सुषमा यादव पाल्हावास को जिला अध्यक्ष, पिंकी पाड़ला को कार्यकारी अध्यक्ष, संतोष यादव जिला सचिव, अनिता जाटूसाना, निर्मला धारूहेड़ा, राजेश टांकड़ी, सुदेश नाहड़, अंजूबाला फतेहपुरी, विजय लक्ष्मी खोल उपाध्यक्ष, सोनू शर्मा को कार्यालय सचिव व पूनम खोला को कोषाध्यक्ष सहित 35 सदस्यों की जिला कमेटी का गठन किया गया।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारियों ने शहर में निकाला रोष मार्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर रोष मार्च निकालते कर्मचारी।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर रविवार को विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने शहर में सरकार के खिलाफ रोष मार्च निकाला। रोष मार्च में अधिकांश कर्मचारियों ने काले कपड़े पहनकर सरकार पर अपनी नाराजगी जताई। बाकी कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर रोष प्रकट किया। शहर के गढ़ी बोलनी रोड से शुरू हुआ कर्मचारियों का रोष प्रदर्शन अंबेडकर चौक पर डा. बीआर आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए सरकुलर रोड होते हुए नाईवाली चौक पर सम्पन्न हुआ। कर्मचारियों ने सरकार से पुरानी पेंशन बहाल कर सकारात्मक कदम उठाने की मांग की है। सभी विभागों के कर्मचारियों ने सरकार से पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग करते हुए एकजुटता का परिचय दिया। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल के नेतृत्व में राज्य उपप्रधान ऋषी नैन व राज्य संयोजक विजय भूना के साथ हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ जिला प्रधान महावीर यादव, हसला पूर्व प्रांतीय प्रधान अनिल यादव, रोडवेज की ओर से बीर सिंह प्रधान, लिपिकीय वर्ग संगठन के प्रधान विकास यादव, सिंचाई विभाग के राज्य महासचिव प्रतीम यादव, नर्सिंग स्टाफ संगठन की नर्मिला, लोक नर्माण विभाग के महेंद्र यादव व पेंशन बहाली संघर्ष समिति के जिला प्रधान राजबीर ने विचार रखे।

संस्था सदस्यों ने संजय गांधी पार्क में लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

अभिराज सांस्कृतिक संस्था की ओर से रविवार को संजय गांधी पार्क में पौधे लगाए गए। संस्था सदस्यों ने छायादार, फूलदार व फलदार पौधे रोपित किए। इस अवसर पर संस्था के निदेशक अभिषेक सैनी ने कहा कि मनुष्य के जीवन में पेड़-पौधों का महत्व जल बिन मछली जैसा है। पेड़ों से हमे छाया, फल व औषधि प्राप्त होती है। पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। पर्यावरण संरक्षण का दायत्वि प्रत्येक व्यक्ति का है। आज पूर्वजों की ओर से लगाए गए वृक्षों का लाभ हमें मिल रहा है। इस कर्तव्य को पूरा करने का दायित्व प्रत्येक व्यक्ति का है। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी धर्मवीर बल्डोदिया व नवीन सैनी ने सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर रीजनल सेंटर के पूर्व निदेशक एसके शर्मा, समाजसेवी ईश्वरी प्रसाद आदि थे।

कार्यक्रम सत्य ही शिव है, शिव ही सुंदर है आयोजित

भगवान शिव का परिवार हम सभी के लिए एक सुंदर प्रेरणा: सरोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। लोगों को सम्मानित करते मुख्यातिथि व संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में भगवान शिव के चरणों में समर्पित कार्यक्रम सत्य ही शिव है, शिव ही सुंदर है का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा कार्यकारिणी सदस्य हरियाणा प्रदेश सुनील यादव मूसेपुर, शिक्षाविद प्रोफेसर सीएल सोनी, सीएलजी कमेटी के प्रधान सुनील भार्गव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि अमृत की प्राप्ति के लिए देवता और असुर मिलकर सागर मंथन करने लगे। पहले उसमें हलाहल विष प्रकट हुआ।

विष के कारण पूरा संसार जलने लगा। देवता व असुर सभी भयभीत हो गए। चारों तरफ त्राहिमाम-त्राहिमाम मचने लगा। ऐसे में भगवान शिव ने विष को अपने कंठ में धारण किया, इस कारण वह महादेव कहलाएं। वरिष्ठ भाजपा नेत्री दीपा भारद्वाज, पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज, शिक्षाविद प्रीति कपूर व संयोजक शशि जुनेजा ने कहा कि भगवान शिव का परिवार हम सभी के लिए एक सुंदर प्रेरणा है। मां पार्वती का वाहन सिंह है, भगवान शिव का वाहन नंदी है, जबकि दोनों विपरीत स्वभाव के हैं, लेकिन प्रेम पूर्वक रहते हैं। भगवान शिव के गले में सर्प है, लेकिन उनके पुत्र गणेश का वाहन मूषक है। यह दोनों आपस में स्नेह पूर्वक रहते हैं। इसी तरह हम सभी को अपने परिवारों में एक दूसरे का सम्मान करते हुए प्रेम पूर्वक रहना चाहिए। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए कृष्ण कुमार मॉडल टाउन थाना प्रबंधक, शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल, प्राचार्य राजेंद्र सिंह यादव, भाजपा जिला सचिव नीरू भारद्वाज व समाजसेवी सुनीता आर्य को सम्मानित किया गया। अतिथियों को भगवान शिव के चित्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में समाजसेवी राजेंद्र गेरा, शिक्षाविद देवेंद्र कुमार, अशोक जुनेजा, नैंसी सोनी, विनोद गोयल, सतीश भारद्वाज, सोनिया कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, कपिल कपूर, शिवम, राहुल कालड़ा, केएल कोहली, पूर्व एसआई राजाराम, लक्ष्मण दास सचदेवा, सुदर्शन मेहंदीरत्ता व आनंद कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

मेरी आवाज-मेरी पहचान कार्यक्रम के लिए आवेदन का आज अंतिम दिन

रेवाड़ी। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा की ओर से सुरमयी शाम, मेरी आवाज-मेरी पहचान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश के कलाकार कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए 15 जुलाई तक तक आवेदन कर सकते हैं। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि इच्छुक प्रार्थी नाम, पता तथा मोबाइल नंबर के साथ ईमेल पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को हरियाणा का मूल निवासी तथा आयु प्रमाण-पत्र देना अनिवार्य है तथा आवेदक की आयु 1 जनवरी 2024 को 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। ऑडिशन में भाग लेने के लिए कोई यात्रा अथवा दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। कलाकारों का ऑडिशन, चयन विभागीय गठित कमेटी की ओर से पारदर्शिता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि तिथि, स्थान एवं समय की सूचना दूरभाष व ई-मेल के माध्यम से दी जाएगी।

- आवेदक को हरियाणा का मूल निवासी तथा आयु प्रमाण-पत्र देना अनिवार्य

न्यूज डायरी

मसानी बैराज में दूषित पानी की समस्या, समाधान के लिए सीएम से मिले कैप्टन

रेवाड़ी। पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने करनाल में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। इस दौरान कैप्टन अजय सिंह ने मुख्यमंत्री को रेवाड़ी की समस्याओं से अवगत कराया। कैप्टन ने बताया कि जिले के मसानी बराज में अनट्रीटेड पानी डाला जा रहा है, जिससे काफी संख्या में मछलियां मर चुकी है। बैराज में डाले जा रहे केमिकल युक्त पानी से खलियावास, जड़थल, निगानियावास, निखरी, रसगण, खरखड़ा, रालियावास, भटसाना, डूंगरवास व धारूहेड़ा के लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। गंदे पानी की वजह से लोगों को एलर्जी हो रही है, लोग अपने खेतों में नहीं जा पा रहे हैं, सड़कों पर गंदा पानी भरा हुआ है। इसलिए लोगों की समस्या के समाधान के लिए दूषित पानी को ड्रेनेज नंबर-8 में डाला जाए।

धारूहेड़ा को उपमंडल का दर्जा देने व मुंडिया खेड़ा की अलग पंचायत बनाने की मांग

रेवाड़ी। भाजपा के वरिष्ठ नेता डा. सतीश खोला ने रविवार को टीम के साथ विधानसभा के गांव मुंडिया खेड़ा में जन जागरण अभियान चलाया। उन्होंने करीब 20 सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर ग्रामीणों को लाभांवित भी कराया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने धारूहेड़ा को उपमंडल का दर्जा दिलाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि गांव मुंडिया खेड़ा में लगभग 500 घर है, उनकी पंचायत बालियार कलां के साथ है तथा सभी नॉर्मस पूरे है, इसलिए गांव की अलग पंचायत बनाई जाए। ग्रामीणों ने गांव की कई समस्याएं रखी। ग्रामीणों के मांगपत्र को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भेजा गया है। कार्यक्रम का आयोजन नवीन पंच ने किया। इस मौके पर राजेंद्र सरपंच, पृथ्वी पूर्व सरपंच, कंवर सिंह पूर्व सरपंच, अभय सिंह नंबरदार, रूपचंद नंबरदार, नवीन पंच, मनीष पंच, सूबे पंच, मधु पंच, सतीश, सुभाष, नित्यानंद आदि थे।

खालेटा में ग्राम पंचायत ने 5 स्थानों से हटाए अवैध कब्जे

कुंड। खोल खंड ग्राम पंचायत ने गांव खालेटा में जिला प्रशासन के सहयोग से अवैध कब्जे हटाए गए। अवैध कब्जे की गई कार्यवाही में पंचायत ने दो घरों के गेटों पर ईंटों की चिनाई करके रास्ता बंद कर दिया है, जिससे एक घर के लोग तो मकान छोड़कर रेवाड़ी चले गए है। सरपंच सुनीता देवी के पति पूर्व सरपंच सत्यरूप ने बताया कि सुषेष एडवोकेट, श्रीराम, लेखराम व अजय कुमार ने अपने घरों के समीप ग्राम पंचायत की जमीन पर अवैध कब्जा किया हुआ था। ग्राम पंचायत ने इन लोगों को पंचायत की जमीन को खाली करने के अलावा नोटिस भी भेजा था, लेकिन कब्जे नहीं हटाए गए। इसके बाद ग्राम पंचायत ने पंचायती एक्ट की लीगल कार्यवाही करते हुए जेसीबी की सहायता से अवैध कब्जे हटाए है।

श्रावण के प्रथम सोमवार को होगी ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा

रेवाड़ी। विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल की छोटी टोली की विशेष बैठक का आयोजन रविवार का नई अनाजमंडी में किया गया, जिसमें मेवात में जाने वाली ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता विहिप जिला अध्यक्ष राधेश्याम मित्तल ने की। राधेश्याम मित्तल ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रांत योजना अनुसार ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा संतों के मार्गदर्शन व आह्वान पर हिंदू समाज की ओर से आयोजित की जानी है। जिला मंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि संतों के मार्गदर्शन में यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। यात्रा को भव्य व दव्यि बनाने के लिए 15 जुलाई को शू 4 बजे शिव मंदिर नई अनाज मंडी में एक विशेष बैठक बुलाई जा रही है, जिसमें संत समाज, हिंदू समाज व अन्य सभी धार्मिक व सामाजिक संगठन भी हस्सिा लेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के लोग व अन्य जनमानस भी इस बैठक में हस्सिा ले सकते हैं।

रामानंद गिरी आश्रम में दक्षिण मुखी हनुमान जी की मूर्ति स्थापित

रेवाड़ी। रविवार को गांव टींट स्थित रामानंद गिरी योग आश्रम में दक्षिण मुखी हनुमान जी की मूर्ति की स्थापना की गई। इस उपलक्ष में गांव में शोभा यात्रा भी निकाली गई। शोभा यात्रा में श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के साथ करते हुए गांव की परक्रिमा की। आश्रम में पहुंचने पर हवन करके विधि-विधान के साथ दक्षिण मुखी हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की गई। इ अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। आश्रम के संचालक संत हरिनारायण अयोध्या के रहने वाले हैं। उन्होंने कुछ समय पहले आश्रम में भगवान श्रीराम की मूर्ति की भी स्थापना कराई थी। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए महाराज आश्रम में रोजाना भजन-कीर्तन का आयोजन करा रहे है। इस अवसर पर अनेक ग्रामवासी मौजूद थे।

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर रेवाड़ी की बदली जाएगी दशा: चिरंजीव

रेवाड़ी। कांग्रेसी विधायक चिरंजीव राव ने रविवार को गांव लाधूवास अहीर व डूंगरवास में विधायक आदर्श ग्राम योजना के तहत रास्ते का उद्घाटन किया। रास्ता बनवाने पर ग्रामीणों की तरफ से विधायक का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक चिरंजीव राव ने कहा कि योजना के तहत सभी विकास कार्य कराए जा रहे है। हालांकि कुछ बडी परियोजनाएं पूरी नहीं हो सकी है, जिसके लिए प्रयास किए जा रहे है। विधायक ने कहा कि प्रदेश की जनता ने अब भाजपा को सत्ता से बेदखल करने का मन बना लिया है और कांग्रेस के हाथ में सत्ता की चाबी सौंपने की ठान ली है। दो महीने बाद प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर रेवाड़ी की दशा और दिशा बदल दी जाएगी। जिले के सभी रुके हुए कार्य पूरे किए जाएंगे।

वन विभाग व ग्राम पंचायत ने मनाया वन महोत्सव

बावल। गांव की श्मशान भूमि घाट में वन विभाग व ग्राम पंचायत की ओर से वन महोत्सव के तहत पौधे लगाए गए। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमियों लोगों को पेड़-पौधों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए पेड़ों का होना अति आवश्यक है। पेड़-पौधे हमारी पृथ्वी का श्रृंगार है। पौधों से तापमान कम रहता है व इनके बगैर जीवन संभव नहीं हैं। सभी लोगों ने पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। ग्राम पंचायत की ओर से पौधों की सुरक्षा के लिए जालियां भी लगवाई गई। इस अवसर पर पवन कुमार, सरपंच रणसिंह लोर, महेंद्र सिंह ढल्लिों, कुलदीप ढिल्लो, टोनी जांगिड़, कृष्ण कुमार, जसवंत सिंह, जयपाल व वन विभाग से किशन चंद दरोगा, अनिल कुमार बीट इंचार्ज, मनोहर लाल व निशांत उपस्थित थे।

नूपुर कार्यक्रम के लिए आवेदन करने की अंतिम दिन आज

रेवाड़ी। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा की ओर से आयोजित किए जा रहे शास्त्रीय नृत्य, कथक तथा भरतनाट्यम पर आधारित 12 दिवसीय कार्यशाला एवं एक दिवसीय कार्यक्रम नूपुर के ऑडिशन के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में केवल हरियाणा मूल के युवा व उभरते कलाकार, जिनकी आयु 15 से 35 वर्ष हो, वही भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि शास्त्रीय कत्थक नृत्य तथा भरतनाट्यम ऑडिशन में भाग लेने के लिए कोई यात्रा व दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। आवेदक आवेदन करते समय नाम, विधा, आयु, जन्म तिथि, स्थान, पिता का नाम, मोबाइल नंबर व ई-मेल सहित भेजना है। आवेदन के लिए मूल दस्तावेज आधार कार्ड, बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ, कैंसिल चैक, पैन कार्ड, पासपोर्ट साईज फोटो तथा उनकी प्रतियां साथ लेकर जाएं। ऑडिशन में चयनित कलाकार ही अंतिम कार्यक्रम में भाग ले सकेंगे।

खबर संक्षेप

बाजार गई कंपनी कर्मचारी महिला गायब

कसोला। थाना क्षेत्र के एक मकान में किराए पर अपने पति पति के साथ रह रही कंपनी कर्मचारी महिला बाजार जाने के बाद घर नहीं लौटी। मूल रूप से यूपी के मथुरा निवासी युवक ने बताया कि उसकी पत्नी एक कंपनी में काम करती है। वह और उसकी पत्नी किराए के कमरे में रहते हैं। बीते सप्ताह उसकी पत्नी बाजार जाने के लिए घर से निकली थी। इसके बाद वह वापस नहीं आई। काफी तलाश करने के बाद भी उसकी पत्नी का कोई पता नहीं चल सका।

सड़क हादसे में महिला व ससुर घायल

डहीना। कुंड मार्ग पर जैनाबाद के पास दो बाइकों की भिड़ंत में एक महिला और ससुर घायल हो गए। निमोठ निवासी सीता देवी और उसका ससुर कंवर सिंह बाइक पर डहीना दवा लाने के लिए जा रहे थे। जैनाबाद के प्राइवेट स्कूल के पास उनकी बाइक को पीछे से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। वह दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। उसके देवर ने मौके पर आकर दोनों को अस्पताल पहुंचाया। उससे ससुर की हालत गंभीर बनी हुई है।

बस की टक्कर से बाइक सवार घायल

रेवाड़ी। करनावास के पास एक बस की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। चल्हिड़ निवासी मुकेश कुमार बावल की एक कंपनी में काम करता है। वह बाइक लेकर बावल रोड से कंपनी की ओर जा रहा था। करनवास तेल डिपो के पास आगे चल रही बस के चालक ने बिना इंडिकेटर दिए अचानक बस मोड़ दी। इससे उसकी बाइक बस में घुस गए। वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

धोखाधड़ी मामले में एक महिला काबू

धारूहेड़ा। पुलिस ने करीब एक साल पूर्व दर्ज किए गए धोखाधड़ी के मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया है। पीड़ति पक्ष की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गत वर्ष 28 मई को विभन्नि धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में गुरूग्राम के सेक्टर-90 निवासी कविता को गिरफ्तार किया है।

घर के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

रेवाड़ी। रामपुरा में शिव मंदिर के पास चोर एक घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में जोगेंद्र कुमार ने बताया कि वह रात को अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी करता है। उसने बाइक खड़ी करने के बाद लॉक कर दी थी। सुबह जब वह उठकर घर से बाहर आया तो उसे बाइक गायब मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। सीसीटीवी फुटेज में अज्ञात व्यक्ति सुबह 4 बजे बाइक चोरी करता नजर आ रहा है।

रविवार को सुबह से निरीक्षण करती रही नगर परिषद की टीम, बाजार में अपनी हद में नजर आए रेहड़ी व फड़ी वाले

नप ने पहले दिन संडे बाजार पर लगाई लगाम, सप्ताह के बाकी दिनों में अतिक्रमण पर कार्रवाई ‘क्यों नहीं’

- सुबह 9 बजे ही नगर परिषद के कनिष्ठ अभियंता विकास गर्ग, बलवान सिंह सहायक व सफाई शाखा से विजयपाल टीम के साथ बाजार में पहुंच गए

रेवाड़ी। रविवार को मेन बाजार में घूमते हुए नगर परिषद टीम, रेहड़ी व फड़ी नहीं लगने से खाली पड़ी बाजार की सड़क, गोकल बाजार में दुकान के आग लगी कपड़ों की सेल तथा गली के नुक्कड़ पर ग्राहक का इंतजार करता दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रविवार से नगर परिषद की ओर से एक बार फिर संडे मार्केट को पूरी तरह बंद कराने की कवायद शुरू कर दी गई।

नगर परिषद की ओर से मेन बाजार में लगने वाले संड़े मार्केट के लिए इस बार चार टीमें गठित की गई है, जोकि दिसंबर तक आने वाले सभी रविवार को सड़क पर लगने वाले संडे मार्केट को बंद कराने का कार्य करेगी। रविवार को सुबह 9 बजे ही नगर परिषद के कनिष्ठ अभियंता विकास गर्ग, बलवान सिंह सहायक व सफाई शाखा से विजयपाल टीम के साथ बाजार में पहुंच गए, जिसके कारण बाजार में रेहड़ी व फड़ी पूरी तरह बंद रही।

संडे बाजार में पहली बार रेहड़ी व फड़ी वाले तथा दुकानदार अपनी हद में नजर आए, हालांकि कुछ दुकानों के बाहर फिर भी कपड़ों की सेल चलती रही, लेकिन टीम के बाजार में मौजूद रहने पर सड़कें खाली नजर आई।

बाजार में दुकानों के आगे सड़क पर तख्त, सामान व रेहड़ियां नहीं लगने दी गई। हालांकि पंजाब शॉप एक्ट के तहत रविवार को पूरा बाजार बंद करने के आदेश है, लेकिन लेबर डिपार्टमेंट के अधिकारी वर्षो से बाजार की ओर रूख नहीं कर रहे है। इससे दुकानों पर काम करने वाले श्रमिकों को एक दिन का अवकाश भी नहीं मिल पाता है।

पिछले वर्ष भी बनाई थी योजना

संडे मार्केट से फैल रही अव्यवस्था को लेकर स्थाई लोक अदालत में याचिका लगाई गई थी, जिसमें 20 जनवरी 2023 के आदेश व 21 सितंबर 2023 की पालना में संडे मार्केट को पूर्ण रूप बंद कराने के लिए नगर परिषद ने कदम उठाया है। गत वर्ष भी जनवरी में संडे बाजार बंद कराने को लेकर योजना बनाई गई थी। टीम के बाजार में दिखने से स्थिति में सुधार भी आया था, लेकिन कुछ दिनों बाद ही अधिकारी सुस्त पड़ गए। अब संडे बाजार को बंद कराने के लिए फिर से चार टीमें गठित की गई है, जिसमें पहली टीम में विकास गर्ग कनिष्ठ अभियंता, बलवान सिंह सहायक व विजयपाल सफाई शाखा, दूसरी टीम में हैप्पी सैनी कनष्ठि अभियंता, रामरतन लिपिक एवं विजयपाल सफाई शाखा, तीसरी टीम में हरीश कनष्टि अभियंता, हरकेश लिपिक व सफाई शाखा से विजयपाल तथा चौथी टीम में बाजार को बंद कराने में नवल किशोर भवन निरीक्षक, जगमेंद्र राठी एवं सफाई शाखा से विजयपाल की ड्यूटी लगाई गई है।

सिर्फ संडे बाजार पर ही फोकस क्यों

शहर के बाजार में अतक्रिमण नासूर बन चुका है। दुकानदार जानबूझकर अपनी दुकानों के सामने अतक्रिमण कराते हैं और मोटा किराया वसूलते हैं। अतक्रिमणकारियों में भी प्रशासन का भय खत्म हो चुका है। बाजार को अतक्रिमण मुक्त करने के लिए नगर परिषद की ओर से सिर्फ संडे बाजार पर ही ज्यादा फोकस किया जा रहा है, सोमवार से शनिवार तक सभी बाजार अतक्रिमण से सरोबार नजर आ रहे है। इन 6 दिनों में बाजारों की सड़कों पर व्याप्त अतिक्रमण से पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। नगर परिषद की ओर से कई बार दुकानों के आगे पीली पट्टी का फार्मूला भी अपनाया गया, जेकिन वहीं भी कुछ दिनों में फेल हो गया। बाजार में अतिक्रमण की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। इसका मुख्य कारण प्रशासन की ओर से ठोस कदम नहीं उठाना है। प्रशासन की ओर से बरती जा रही ढील के कारण अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हो रहे है।

नियमित करने की मांग को लेकर गेस्ट टीचरों का प्रदर्शन, मंत्री के आवास पर ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। डा. बनवारी लाल के निवास पर ज्ञापन सौंपते गेस्ट टीचर।

हरियाणा अतिथि अध्यापक संघर्ष समिति के आह्वान पर पूरे प्रदेश में सभी विधायकों और मंत्रियों के आवास पर सांकेतिक धरने के साथ नियमित करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जिले के अतिथि अध्यापकों की ओर से बावल के विधायक व कैबिनेट मंत्री डा. बनवारी लाल के आवास पर ज्ञापन सौंपा गया। इससे पहले अतिथि अध्यापक बावल के रेस्ट हाउस में एकत्रित हुए तथा बाजार से नारेबाजी करते हुए विधायक के आवास पर पहुंचे। प्रधान नरेश यादव ने कहा कि सरकार की ओर से अतिथि अध्यापकों की मांगों की बार-बार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले सभी अतिथि अध्यापकों को एकजुट होकर अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। क्योंकि हमारे पास समय बहुत कम है, सरकार को अपने संगठन की ताकत का अहसास कराना पड़ेगा, तभी सरकार मांगो पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि सरकार विधानसभा चुनाव से पहले मांगो पर गौर करते हुए हमें नियमित करने का काम करें ताकि गेस्ट टीचर मानसिक शांति के साथ अपना जीवनयापन कर सकें।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रणजीत, ईश्वर सिंह, मोहन शर्मा, नरेंद्र पाल, रामसिंह, कैलाश चंद, नरेश मेवात, श्यामलाल, विजय पनवाड़, जोगेंद्र सिंह, बृजेश तंवर व मृदुला सहित अनेक गेस्ट टीचर मौजूद थे।

बाबा गोपालदास टीम ने पौधरोपण करके देखभाल का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुंड

रेवाड़ी। पौधारोपण के दौरान मौजूद टीम। फोटो : हरिभूमि

खंड खोल के गांव टींट में रविवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में बच्चों को भी शामिल किया गया ताकि वह पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक हो सकें। सूबेदार सतवीर यादव, सूबेदार अतर सिंह यादव, सूबेदार धर्मवीर यादव, जीएसटी इंस्पेक्टर केशव यादव, रामधन यादव, परमवीर यादव, पंकज यादव, मोनू यादव, राजेंद्र यादव, दीपक शर्मा, हरेंद्र यादव, राकेश यादव और बीएमआर के ग्रुप के मनीष यादव, दिनेश यादव, मनोज यादव, मास्टर बब्लू यादव, प्रमोद यादव, रामोवतार यादव, बॉम्बे यादव, रतन सिंह, नंबरदार अशोक यादव, बिल्लू प्रजापति, मनोज नाथ, भीम यादव, भगीरथ यादव, दिनेश पंच, रोमीन यादव व भरत यादव ने पौधरोपण करने में योगदान दिया। सभी लोगों ने पौधरोपण करके ग्रामवासियों को कम से कम एक पौध लगाने का संदेश दिया।

समान रूप से विकास करा रही सरकार : मुकेश कापड़ीवास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। मेडिकल स्टोर का शुभारंभ करते हुए मुकेश कापड़ीवास। फोटो :हरिभूमि

भाजपा नेता मुकेश कापड़ीवास ने रविवार को शहर के झज्जर चौक पर जनसंपर्क अभियान के तहत शहर के युवाओं से बातचीत करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने युवाओं के साथ आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चर्चा भी की। इस मौके पर मुकेश कापड़ीवास ने कहा कि प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में समान रूप से विकासकार्य कर रही है। भाजपा सरकार ने क्षेत्रवाद को खत्म करते हुए प्रदेश के हर इलाके में जमकर विकासकार्य कराए हैं। सीएम नायब सिंह सैनी ने पद संभालने के बाद प्रदेश के विकास को और अधिक गति देना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी विधायक होने के कारण रेवाड़ी हलके का वह विकास नहीं हो सका, जो वास्तव में होना चाहिए था। इसके बावजूद सरकार ने हलके के विकास में धन की कमी आड़े नहीं आने दी है।

मेडिकल स्टोर का शुभारंभ

मुकेश कापड़ीवास ने अपने गांव कापड़ीवास में योगेश कुमार के मेडिकल स्टोर का शुभारंभ करते हुए उन्हें बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मेडिकल स्टोर संचालकों को चाहिए कि वह जरूरतमंद मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास करें। इस मौके पर गांव के कई प्रबुद्ध लोग भी मौजूद थे।

मूर्ति प्राण प्रतष्ठिा से पूर्व निकाली कलश यात्रा भोले के भजनों से माहौल भक्तिमय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कलश यात्रा के दौरान भजनों पर नांचती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

श्री बालाजी धर्मार्थ समिति की ओर से संचालित आजाद चौक स्थित शिव मंदिर में सोमवार को होने वाली शिव परिवार मूर्ति प्राण प्रतष्ठि से पूर्व रविवार को मंदिर पुजारी पंडित सुमन भारद्वाज के नेतृत्व में भव्य कलश यात्रा एवं नगर परक्रिमा का आयोजन किया गया। डीजे के साथ भजनों की धुनों पर नांचती-गाती महिलाओं की कलश यात्रा से शहर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

मंदिर परिसर में भगवान शिव परिवार की मूर्ति प्राण प्रतष्ठि को लेकर चल रहे पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आगाज गणपति पूजन के साथ किया गया। रविवार सुबह भारी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण किया। महिलाओं की कलश यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर सरकुलर रोड़, आनंद नगर, गांधी नगर व तुर्कियावास सहित अनेक स्थानों से होती हुई मंदिर परिसर में संपन्न हुई। जहां सामूहिक रूप से भगवान भोलेनाथ की मूर्ति का जलाभिषेक किया गया। बम-बम भोले एवं शिव शंभू के जयकारों के माहौल पूरी तरह शिवमय हो गया। मंदिर के पुजारी पंडित सुमन भारद्वाज ने बताया कि 15 जुलाई को प्रातः 9:15 बजे पूर्ण विधि-विधान के साथ हवन-यज्ञ किया जाएगा तथा 12:15 बजे भगवान शिव परिवार मूर्ति की प्राण प्रतष्ठि की जाएगी। इसके तुरंत बाद प्रसाद वितरण-भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मारपीट व धमकी देने का आरोपी काबू

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारपीट में घायल होने के बाद अस्पताल में उपचाराधीन धामलावास के एक व्यक्ति के बयान पर गत 21 जून को मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में धामलावास निवासी संदीप उर्फ सैंडी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सवा साल से गायब व्यक्ति का सुराग नहीं

रेवाड़ी। मोहल्ला तेजपुरा से करीब सवा पहले घर से गए व्यक्ति का कोई सुराग नहीं लगा है। चंद्रवती ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसका पति वर्ष 2021 में बिना बताए घर से चला गया था। कुछ समय बाद वह वापस आ गया था। गत वर्ष मार्च माह में वह काम के पैसे लाने के लिए कहीं बाहर जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद काफी तलाश की जा चुकी है, परंतु उसके पति का कोई पता नहीं चल रहा। सिटी पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद तलाश शुरू कर दी।

घर से कॉलेज के लिए निकली छात्रा लापता, एक कंपनी कर्मचारी गायब

बावल। क्षेत्र के एक गांव से कॉलेज के लिए निकली छात्रा लापता हो गई। पुलिस ने उसके पिता की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद छात्रा की तलाश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में छात्रा के पिता ने बताया कि उसकी 21 वर्षीय बेटी एक कॉलेज में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा है। वह 12 जुलाई को घर से कॉलेज जाने के लिए निकली थी। जब वह शाम तक घर नहीं लौटी, तो उसकी तलाश शुरू की गई। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला।

बुजुर्ग से अभद्रता व मारपीट का केस दर्ज

कोसली। कोसली स्टेशन क्षेत्र के एक युवक ने नई बस्ती के एक युवक पर उनके पिता के साथ अभद्रता करने, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाते हुए कोसली पुलिस को शिकायत दी है। कपिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वीरवार शाम को उसके पिता ओमप्रकाश बाजार में अपने पौत्र के साथ चश्मा ठीक कराने गए थे। तभी दुकान के सामने नई बस्ती निवासी संजय ने उसके पिता के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हुई है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9671434260, 8595581311

राजनीति विधानसभा चुनावों को लेकर समर्थकों को दे रहे बड़ा संदेश, बेटी आरती राव ने दो हलकों से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई

भाजपा पर दबाव बनाने की पूरी तैयारी, बदलने लगे राव इंद्रजीत सिंह के सुर

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

संसद में प्रदेश से छठी बार लोकसभा में पहुंचने वाले अकेले सांसद राव इंद्रजीत सिंह एक ओर जहां नायब सिंह सैनी को ही सीएम पद का चेहरा घोषित करने से व्यथित हैं, तो दूसरी ओर मोदी कैबिनेट में मनमाफिक स्थान नहीं मिलने का भी उन्हें पूरा मलाल है। उन्हें इस बात की आशंका भी सता रही है कि इस बार विधानसभा चुनावों के दौरान अहीरवाल में टिकटों का आवंटन भी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के हाथों में ही रहेगा। उन्हें टिकट वितरण के समय भी इस बार तवज्जो मिलने की संभावना नहीं है। इन हालातों को देखते हुए गृह मंत्री अमित शाह के 16 जुलाई को महेंद्रगढ़ आगमन से पहले ही राव के सुर बदलने लगे हैं। भाजपा के शीर्ष नेताओं पर दबाव बनाने के लिए राव अप्रत्यक्ष रूप से बगावती तेवरों का इस्तेमाल करने लगे हैं।

अटेली हलके में आयोजित कार्यक्रमों ने राव ने जिस तरह से अपने समर्थकों को भाजपा की ओर से जाने वाले प्रत्याशियों का साथ देने की बजाय अपने विवेक से योग्य प्रत्याशी का साथ देने के संकेत दिए हैं, उससे यह साफ हो गया है कि विधानसभा चुनावों में उनकी मर्जी के मुताबिक टिकट नहीं दिए जाने पर वह नाराजगी जता सकते हैं। अमित शाह के पिछड़ा वर्ग सम्मेलन को लेकर भी उन्होंने अभी तक न तो खुद कोई सक्रियता दिखाई है और न ही उनके समर्थकों ने। राव के समर्थकों के बीच इस तरह के संकेत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं हैं। वह कैबिनेट मंत्री नहीं बनाने से लेकर नायब सिंह सैनी को ही सीएम पद का चेहरा घोषित करने की अमित शाह की घोषणा से खुलकर नाराज नजर आ रहे हैं। ऐसे में अमित शाह का महेंद्रगढ़ दौरा अहीरवाल भाजपा के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण हो चुका है। भाजपा राव को साइडलाइन करने या टिकट के मामले में महत्व देने के दो विकल्पों में से किसी एक चुनाव कर सकती है। साइडलाइन किए जाने की सूरत में राव की राजनीति पर विशेष नजर होगी।

अमित शाह।

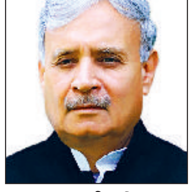

राव इंद्रजीत सिंह।

आरती राव।

आरती के लिए सुरक्षित नहीं एक हलका

पिछले विधानसभा चुनावों में टिकट नहीं मिलने के कारण चुनाव लड़ने से वंचित रह चुकी राव इंद्रजीत सिंह की राजनीतिक वारिश उनकी बेटी आरती राव का इस बार चुनाव लड़ना तय है। विरोधी खेमे की सक्रियता को देखते हुए आरती के हलके का चयन अभी तक नहीं हो पाया है। एक हलका सुरक्षित नहीं लगने के कारण आरती ने तो दो हलकों से चुनाव लड़ने तक की घोषणा अपने समर्थकों के बीच कर दी है, जिनमें एक हलके के रूप में अटेली को प्राथमिकता दी गई है।

कई सीटों पर खेल बनाने में सक्षम

अहीरवाल के अधिकांश हलकों में राव इंद्रजीत सिंह का कहीं बड़ा, तो कहीं कम प्रभाव जरूर है। दस हलकों में उनके खास समर्थकों की अच्छी तादाद मानी जाती है। उनके जनाधार को देखते हुए यह बात विरोधी भी स्वीकार करते हैं कि अगर किसी सीट पर राव चुनाव जिताने में सफल नहीं होते, तो वह टारगेट पर आए प्रत्याशी की जीत को हार में बदलने का माद्दा जरूर रखते हैं। ऐसे में राव की नाराजगी दक्षिणी हरियाणा के सबसे सुरक्षित गढ़ में भाजपा के लिए बड़े नुकसान का कारण बन सकती है।